श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय), कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र नई दिल्ली- 110016

संशोधित नवीन पाठ्यक्रम

दिनांक : २९/३०-०१/२०१८

ज्योतिष विभाग, वेदवेदाङ्गसंकाय

कक्षा - ज्योतिष-प्रवेशिका (षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)

प्रथम पत्र - १०० अंक

इकाई	विषय	अंक	अध्यापन दिन संख्या
इकाई-१	ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन, ज्योतिषशास्त्र की प्रासंगिकता, ज्योतिषशास्त्र की वैज्ञानिकता, ज्योतिषशास्त्र की प्रत्यक्षता, ज्योतिषशास्त्र का वेदाङ्गत्व, वेदाङ्गों में ज्योतिषशास्त्र की श्रेष्ठता, ज्योतिष और मनोविज्ञान, ज्योतिष और कर्म, ज्योतिष और भाग्य, ज्योतिष और आनुवंशिकी, ज्योतिष और मानव जीवन, ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता।	२५	८
इकाई-२	ज्योतिष की प्रवृत्ति, ज्योतिषशास्त्र के भेद, ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्त्तक, ज्योतिषशास्त्रीय भेदों के प्रतिपाद्य विषय, ज्योतिषशास्त्र की महिमा, ज्योतिषशास्त्र के पांच स्कन्धों का सामान्य परिचय ।	२५	८
इकाई-३	द्वादशराशियों के नाम व परिचय, राशियों के स्वामी, राशियों का स्वरूप, राशियों के गुण/धर्म, कालपुरुष के अंग में राशिविन्यास, राशियों की विभिन्न संज्ञायें । पुरुषादि संज्ञा राशियों की दिशा राशियों के वर्ण द्विपदादि संज्ञा, नौ ग्रहों के नाम व परिचय, ग्रहों की उच्च, नीच व मूलत्रिकोण राशियां । ग्रहों के गुण/धर्म व आत्मादि विभाग, राजादि अधिकार, दिशाओं का स्वामित्व, शुभाशुभत्व, पुरुषादि संज्ञा तथा ग्रह दृष्टि व नैसिर्गिक मैत्री आदि।	२५	८

इकाई-४	द्वादशभावों का सामान्य-परिचय, भाव व भावेश ज्ञान, भावों के कारकत्व, चर व स्थिरकारक ग्रह, भावों की विभिन्न संज्ञायें उपचय व अनुपचय, क्रेन्द्र, पणफर आपोक्लिम तथा द्वादश भावों से विचारणीय विषय	२५	८

सन्दर्भ ग्रन्थ- (१) भारतीय ज्योतिष नेमिचन्दशास्त्री (२) लघुजातकम्

ज्योतिष-प्रवेशिका

द्वितीय पत्र - १०० अंक

इकाई	विषय	अंक	अध्यापन दिन संख्या
इकाई-१	पञ्चाङ्ग परिचय एवं प्रायोगिक ज्ञान तिथि, वार, नक्षत्र, योग एवं करण का सामान्य परिचय तिथि वृद्धि, तिथि क्षय पञ्चाङ्ग की विभिन्न सारणियों का सामान्य परिचय एवं प्रायोगिक ज्ञान ।	२५	८
इकाई-२	नवविधकालमान, काल के प्रमुख अवयव, विक्रम संवत्, शक संवत, खिष्टीय सन्, हिजरी सन, पारसी सन, सौरमण्डल परिचय, अक्षांश, देशान्तर स्थानीय तथा मानक समय, सम्पात विचार, चरमिनट साधन और स्पष्टान्तर साधन, सूर्योदय साधन ।	२५	८
इकाई-३	इष्टकालज्ञान, भायात भभोग, जन्माक्षर ज्ञान, चन्द्रस्पष्ट जन्मराशि, ग्रहगति ज्ञान , चालन, ग्रहस्पष्ट सारिणी द्वारा लग्नसाधनविधि, सारिणी द्वारा दशमलग्नसाधन, लघुरित्थ-सारिणी द्वारा ग्रह- स्पष्टीकरण , जन्माङ्गचक्र निर्माण, चन्द्र कुण्डली निर्माण ।	२५	८
इकाई-४	संसन्धिद्वादशभावसाधन,चलितचक्रनिर्माण,तात्कालिक मैत्री, पञ्चधा मैत्री चक्रनिर्माण, क्रान्तिवृत्त, सौर, चांद्र, नाक्षत्र एवं सावनदिन का विशेष परिचय, चान्द्र मास एवं सौरमास, संवत्सर परिचय	२५	८

सन्दर्भ ग्रन्थ- विद्यापीठ पञ्चाङ्ग एवं भारतीयकुण्डलीविज्ञान, जन्मपत्रदीपक ।

शास्त्रीयाध्ययनम् (संस्कृतमाध्यमम्)

30.01.18 30.01.18 30.1.18 30/01/18 30/1/18

तृतीय-पत्रम् - १०० अङ्काः
(बृहद् अवकहडाचक्रम्)

इकाई	विषयाः	अङ्काः	अध्यापनदिन-संख्या
इकाई-१	कालस्वरूप, कालभेद, अधिमास, क्षयमास, मासों के भेद, मासों के नामकरण, द्वादशमासों के नाम, ऋतुपरिचय, अयनज्ञान, अयन में किये जाने वाले कार्य गुरु-शुक्र अस्त विचार, श्राद्ध पक्ष, भीष्म पञ्चक । **वारादिप्रकरण**-सम्पूर्ण	२५	८
इकाई-२	तिथियों की नन्दादि संज्ञा एवं विहित कार्य, सिद्धि योग, मृत्यु योग, करण ज्ञान, चर एवं स्थिर करण, विष्कुम्भादि योग एवं उनके शुभाशुभ फल, भद्रा (विष्टि) विचार, भद्रा में त्याज्य एवं विहित कार्य, भद्रा वास ।	२५	८
इकाई-३	**नक्षत्र प्रकरण**- नक्षत्रों के नाम एवं स्वामी, शतपदचक्र(अवकहडाचक्र) नक्षत्रों की ध्रुव आदि संज्ञा एवं विहित कार्य, पञ्चक नक्षत्रों का फल उसमें त्याज्य कार्य, सफलत्रिपुष्कर योग, नक्षत्रों की अन्धादि संज्ञाये एंवं फल, चन्द्र वास एवं चन्द्र फल ।	२५	८
इकाई-४	**मुहूर्त प्रकरण-सम्पूर्ण**	२५	८

पाठ्यग्रन्थ-'' बृहद्अवकहडाचक्रम्''

पं. अवधविहारीत्रिपाठी सम्पादित एवं श्री कमलाकान्तशुक्ल संगृहीत

प्रकाशन-चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

शास्त्रीयाध्ययनम् (संस्कृतमाध्यमम्)
चतुर्थ-पत्रम् - १०० अङ्काः

इकाई	विषयाः	अङ्काः	अध्यापनदिन-संख्या
इकाई-१	**सन्धि प्रकरणम्**- स्वरसन्धिः, दीर्घसन्धिः, गुणसन्धिः, वृद्धिसन्धिः, यण्सन्धिः, अयादिसन्धिः (अय्-आय्, अव्-आव्) पूर्वरुपसन्धिः, प्रकृतिभावसन्धिः, व्यञ्जनसन्धिः, विसर्गसन्धिः	२५	८
इकाई-२	अकारान्तादौकारान्तंयावत्, पुल्लिङ्गनपुंसकलिङ्गशब्दरूपाणिआकारान्तादौकारान्तं यावत् स्त्रीलिङ्गशब्दरूपाणि। त्रिषु लिङ्गेषु सर्वनामशब्दरूपाणि।, अस्मद्शब्दरूपम्। युष्मद्शब्दरूपम्	२५	८
इकाई-३	''भू-क्रीड्-गम्-जि-कृ-दृश्-नम्'' इतिपरस्मैपदधातूनां लट्-लृट्-लङ्-लोट्-विधिलिङ्गेषु धातुरूपाणि' नी-पच इत्युभयपदधात्वोरुपर्युक्तपञ्चलिङ्गेषु धातुरूपाणि। 'सेव' इत्यात्मनेपदधातोरुपर्युक्तपञ्चलिङ्गेषु धातुरूपाणि।	२५	८
इकाई-४	संस्कृतानुवादः 1. कर्तृवाच्यप्रयोगः 2. कर्मवाच्यप्रयोगः 3. भाववाच्यप्रयोगः	२५	८

सन्दर्भ ग्रन्थ- रचनानुवादकौमुदी